UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

M.A. II YEAR ASSIGNMENT
एम0ए0 द्वितीय वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15 May, 2013 **जमा करने की अन्तिम तिथि –*15 मई, 2013***

Course Title: Developed Political Theory. **Course Code: MAPS-05**

कोर्स शीर्षक: विकसित राजनीतिक सिद्धान्त कोर्स कोड:एमएपीएस–05

Year: 2012-13 **Maximum Marks: 40**

सत्र– 2012–13 अधिकतम अंक– 40

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 5 marks each. Learners are required to answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

Briefly discuss the following:

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिए :

1. मूल्य का स्वरूप ।
   Nature of Value.
2. राजनीति एवं मूल्य ।
   Politics and Values.
3. स्वतंत्रता का अर्थ ।
   Meaning of liberty .
4. न्याय की अधिकृतता का सिद्धांत।
   Theory of Entitlement of Justice.
5. वितराणात्मक न्याय ।
   Distributive Justice.
6. आधुनिक स्व ।
   Modern self.
7. राजनीतिक यथार्थ का अर्थ ।
   Meaning of Political reality.
8. वोगेलिन के अनुसार राजनीतिक यथार्थ की प्रकृति।
   Nature of Political reality according to vogelin .

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 10 marks each. Learners are required to answers 02 questions only.
भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित है।

1. राजनीति विज्ञान में मूल्यों के महत्त्व पर निबंध लिखिए |
   Write an essay on importance of values in Political Science.
2. राजनीतिक चिंतन और सिद्धांत में बर्लिन के महत्व की विवेचना कीजिए |
   Dicuss the importance of Berlin in Political Thaught and Theory.
3. राल्स के मूल संरचना की अवधारणा की व्याख्या कीजिए |
   Explain the concept of Basic Structure of Ralse .
4. जॉन राल्स के न्याय सिद्धान्त का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
   Critically examine the thtory of law of John Ralse.